Programme-	**LL.M.-IInd year (III sem.) (Criminal Group)**
Course -	**Juvenile delinquency**
Course Code-	**LL.M-213**
Sem-	**IIIrd sem.**
Year-	**2020-21**
Unit-	**1**
Topic-	**The basic concept**
Sub-Topic-	**Introduction, determining factors of juvenile delinquency, differential association anomie, Economic pressure, peer –guru influence, class differentials**
Faculty-	**Amit Sharma**
E-mail-	**sharmaamit20476@gmail.com**

किशोर अपराधी: अपराध की तरफ क्यों आकर्षित होता है किशोर

प्रस्तावना -

किशोर अपराध बहुत कम उम्र में अपराध करने की क्रिया है। एक किशोर अपराधी एक युवा व्यक्ति, विशेष रूप से अठारह वर्ष से कम उम्र का एक किशोर है, जो एक अपराध करके राज्य या संघीय कानून को तोड़ता है।

किशोर अपरिपक्व होते हैं और वयस्कों की तरह नहीं सोचते हैं, इसलिए वे गलतियां करने या अपराध करने के लिए प्रवृत्त हैं जो पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं हैं। किशोर विभिन्न कारणों से कानूनों को तोड़ सकते हैं, और कई कारक हैं जो उन्हें किशोर अपराध तक ले जा सकते हैं।इस लेख में, हमने कुछ कारणों को सूचीबद्ध किया है कि किशोर किशोर अपराधी क्यों बनते हैं और उनके कारण क्या अपराध होते हैं। आइए उन पर एक नज़र डालें:

टूटा हुआ परिवार

एक किशोर अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों से नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाता है। यह बिना कहे चला जाता है कि परिवार एक किशोर के व्यवहार को आकार देने और उसके व्यक्तित्व को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालाँकि, किशोर हिंसक हो जाते हैं या किशोर अपराधी के लक्षण दिखाते हैं, जब वे घर पर अशांति का सामना कर रहे होते हैं। खराब संबंधों वाले टूटे या परेशान परिवारों में किशोर भटक सकते हैं और हिंसक हो सकते हैं। एकल माता-पिता अक्सर काम में व्यस्त रहते हैं, इसलिए वे अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय नहीं बिता पाते हैं। इससे किशोर दूसरों का ध्यान आकर्षित करते हैं, खासकर अपने साथियों से।

संचार की कमी

अक्सर परिवार में संवाद की कमी से बच्चों को घरों के अलावा सांत्वना मिल सकती है। जब वे घर पर अपने माता-पिता या परिवार के सदस्यों के साथ कोई संवाद नहीं कर रहे होते हैं, तो वे एकता, विश्वास और समझ खो सकते हैं, जो अंततः उनके आत्म-सम्मान या आत्मविश्वास को कम कर सकता है। एक बार जब उन्हें लगता है कि वे अपना व्यक्तित्व खो रहे हैं, तो वे अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए वे काम करते हैं जो उन्हें नहीं करना चाहिए। वेविचारे अपने साथियों का अनुसरण करते हैं और उनकी अस्वस्थ जीवन शैली को अपनाते हैं। वे अपने साथियों को दिखाने के लिए नशीली दवाओं की खरीदारी और सेवन करते हैं।

वित्त की कमी

युवा या वयस्क, अपनी वित्तीय स्थितियों को सुधारने के लिए एक गलत रास्ता अपना सकते हैं। वित्त की कमी के कारण किशोर किशोर अपराधी बन जाते हैं। जब वे खराब आर्थिक स्थिति का अनुभव करते हैं, तो वे गलत गतिविधियों में संलग्न होने लगते हैं। वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए ड्रग्स बेचना या चीज़ें चुराना शुरू कर सकते हैं।

सामाजिक और नैतिक प्रशिक्षण का अभाव

जिन किशोरियों ने कोई सामाजिक या नैतिक प्रशिक्षण नहीं लिया है, वे अक्सर किशोर अपराधी बन जाते हैं। यह माता-पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को नैतिक और नैतिक मूल्य सिखाएं। उन्हें सही और गलत व्यवहार के बीच का अंतर सिखाना चाहिए। सामाजिक और नैतिक मूल्यों की कमी बच्चों को दूसरों के साथ खराब संपर्क में ला सकती है और उन्हें कम आत्मविश्वास प्रदान कर सकती है। वे स्वार्थी और अभिमानी हो सकते हैं। उन्हें नहीं पता होता कि राज्य के कानूनों का सम्मान कैसे किया जाता है। माता-पिता अक्सर अपने बच्चों की उपेक्षा करते हैं और उनके लिए पैसा कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने पर अधिक ध्यान देते हैं। हालांकि, ऐसा करते समय, वे अपने बच्चों के साथ गुणवत्ता का समय बिताने के महत्व को भूल जाते हैं। उनकी अनुपस्थिति में, बच्चे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ समय बिताते हैं जो उन पर ध्यान देता है। वे गलत हाथों में पड़ सकते हैं या अपने

माता-पिता के अलावा किसी और से आकर्षित होते हुए बुरी संगत में पड़ सकते हैं।

सहकर्मी प्रभाव

बचपन में सहकर्मी अस्वीकृति भी किशोर अपराध की एक बड़ी वजह है। यह अस्वीकृति बच्चे की उचित रूप से सामाजिक होने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है और अक्सर उन्हें असामाजिक सहकर्मी समूहों की ओर ले जाती है।असामाजिक समूहों के साथ संघ अक्सर हिंसक, आक्रामक और धर्महीन व्यवहार को बढ़ावा देता है। रॉबर्ट वर्गास की "बीइंग इन 'बैड कंपनी", बताती है कि जो किशोर मित्रों के समूहों के बीच चयन कर सकते हैं, वे सहकर्मी के प्रभाव के प्रति कम संवेदनशील होते हैं जो उन्हें गैरकानूनी काम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। सहकर्मियों द्वारा अस्वीकार किए गए आक्रामक किशोरों में "शत्रुतापूर्ण प्रत्याशा पूर्वाग्रह" होने की भी अधिक संभावना है, जो लोगों को दूसरों के कार्यों (चाहे वे शत्रुतापूर्ण हों या न हों) के रूप में उद्देश्यपूर्ण शत्रुतापूर्ण और उनके प्रति आक्रामक होते हैं। यह अक्सर एक आवेगी और आक्रामक प्रतिक्रिया की ओर जाता है।

अनुरूपता विशाल प्रभाव है कि एक व्यक्ति पर सहकर्मी समूह प्रभाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अरोनसन, विल्सन, और एकर्ट (2013)सोलोमन ऐश (1956), द्वारा किए गए शोध प्रयोग को इंगित करते हैं कि क्या एक समूह किसी व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। प्रयोग को एक भागीदार निर्धारित करके पूछा गया कि 3 लाइनों के सेट में कौन सी रेखा एक मूल रेखा की लंबाई से मेल खाती है। कन्फेडरेट्स प्रयोग के उद्देश्य को जानते थे और प्रयोग के कुछ चरणों के दौरान गलत तरीके से प्रश्नों का उत्तर देने के लिए निर्देशित किए गए थे। इन संघर्षकर्ताओं ने प्रतिभागी के समक्ष प्रश्न का उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने पहले कुछ सवालों के सही जवाब दिए, जैसा कि प्रतिभागी ने किया। आखिरकार, सभी कन्फेडरेट गलत जवाब देने लगे। प्रयोग का उद्देश्य यह देखना था कि क्या समूह प्रतिभागी को गलत तरीके से जवाब देने के लिए प्रभावित करेगा। ऐश ने पाया कि सत्तर प्रतिशत प्रतिभागियों ने समूह द्वारा प्रभावित होने पर गलत जवाब दिया इन निष्कर्षों के अनुसार, यह निष्कर्ष निकाला गया था कि एक सहकर्मी समूह जो भक्तिपूर्ण व्यवहार में शामिल है, एक किशोर को इसी तरह की गतिविधियों में संलग्न कर सकता है। एक बार जब किशोर समूह का हिस्सा बन जाते हैं, तो वे समूह के लिए अतिसंवेदनशील होंगे

<u>जुवेनाइल डेलीक्वेन्सी सांख्यिकी</u>

OJJDP सहित कई संगठन, किशोर अपराध का अध्ययन करते हैं, और रिपोर्ट करते हैं कि किशोर अपराधी के मुद्दे पर योगदान करने के लिए डेटा संकलित किया गया है। नवीनतम किशोर अपराधी आंकड़ों में से कुछ में शामिल हैं:

2012 में, पुलिस ने हर 100,000 किशोरियों के लिए 182 हिंसक किशोर अपराधियों को गिरफ्तार किया।

अपराध करने की चरम उम्र 15 से 19 वर्ष के बीच होती है

52% से 57% किशोर अपराधी अपने मध्य 20 के दशक मेंअपराध करते रहते हैं

30 साल की उम्र तक, केवल 16% से 19% किशोर अपराधी होते हैं

यदि 12 वर्ष की आयु से पहले कोई किशोर अपराध करना शुरू कर देता है, तो उसे वयस्कता में जारी रखने की संभावना है

गिरोह में शामिल होने की औसत शुरुआत 16 साल की है

नशीली दवाओं के उपयोग की औसत शुरुआत 16 से 17 वर्ष की आयु है

References-

1. *Street Wars: Gangs and the Future of Violence* (2004) by Tom Hayden
2. Kalra, Michelle (1996). *Juvenile delinquency and adult aggression against women* (M.A. thesis). Wilfrid Laurier University.